विकसित भारत@ 2047

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के **संस्कृत विभाग** की ओर से "विकसित भारत @ 2047" के अंतर्गत "विकसित भारतय संस्कृतस्य योगदानम्" विषय को लेकर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इससे कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ सोमदत्त (व्याकरणाचार्य, गोरक्षनाथ राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, नाहन, सिरमौर हि. प्र.) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर योगेंद्र कुमार जी ने की। सुमित ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत का विकास अपने स्व को जाने बगैर नहीं हो सकता और स्व को जानने के लिए हमें अपनी संस्कृति को जानना होगा जिसका मूल संस्कृत है। अतः विकसित भारत हेतु संस्कृत एवं संस्कृति का महत योगदान अपेक्षित है। प्रोफेसर योगेंद्र कुमार जी ने विकसित भारत के स्वरूप को स्पष्ट किया। डॉ बृहस्पति मिश्र जी ने प्रास्ताविक भाषण में विकसित भारत @ 2047 के स्वरूप को सबके सामने रखा। विभाग के छात्र शोधार्थी एवं सभी प्राध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर रणजीत कुमार ने कार्यक्रम का संयोजन किया एवं डॉ. अर्चना कुमारी ने सभी गणमान्यों का धन्यवाद किया

विकसित भारत@२०४७
विकसित भारताय संस्कृतस्य
योगदानम्
१३-१२-२०२३